हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 127 देहरादून, शनिवार, 05 नवंबर, 2022 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

सबसे ज्यादा रेवेन्यू दे रहा परिवहन विभाग बन रहा डिजिटल : चंदन राम दास

3

लोक संस्कृति व लोक परम्परायें राज्य की आत्मा होती है : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 नवम्बर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इगास पर्व के अवसर पर परेड ग्राउण्ड में पहाड़ी मेला समिति एवं श्री शक्ति सेवा एवं जन कल्याण समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। उन्होंने सभी को ईगास पर्व की बधाई देते हुए कहा कि किसी भी राज्य की लोक संस्कृति व लोक परम्परायें उस राज्य की आत्मा होती है। उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति व परम्परायें विशिष्ट हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें अपनी परम्पराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत को जानना और समझना होगा। उनका सम्मान करना होगा। हमारी सुन्दर परम्पराओं में कितनी गहराई एवं विजन है इसकों हमें समझना होगा और इसे नयी पीढ़ी को भी बताना होगा। हमारी अनूठी परम्परायें जहां एक ओर हमें समरसता का पाठ पढ़ाती है, वहीं हमें आपस में जोड़ने का भी कार्य करती है। उन्होंने कहा कि अपनी परम्पराओं एवं संस्कृति का संरक्षण तथा इसे अगली पीढ़ी को सौंपना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। जब हम अपने त्यौहार और उत्सव अपने परिवार, गांव और अपने लोगों के बीच मनाते है तो खुशी और आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। हम सभी का यह प्रयास रहना चाहिए कि हम अपने लोकपर्वों को अपने लोगों के बीच मनाने का प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि अब हमारे प्रवासी उत्तराखण्डी भी इगास के अवसर पर अपने गांवों में लौटते है और अपने पैतृक गांव में इगास का त्यौहार अपने परिवार और गांववालों के साथ मनाते हैं। यह बेहद प्रेरणा दायक है। हमने इगास पर्व के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है, किन्तु केवल अवकाश घोषित करने से हम अपनी संस्कृति की महानता नहीं समझ पायेंगे, बल्कि इसके लिए हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना होगा।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि उन्हें आशा है कि हम सभी मिलकर जहां एक ओर अपनी संस्कृति के संवर्धन के लिए कार्य करेंगे, वहीं दूसरी ओर उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ प्रदेश बनाने के हमारे विकल्प रहित संकल्प के आधार पर अपने-अपने क्षेत्रों में भी सर्वश्रेष्ठ करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने फैसला लिया है कि वर्ष 2025 में जब हमारा राज्य अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष माना रहा होगा, तब तक हम अपने प्रदेश की सवा लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का कार्य करेंगे। यह प्रयास निश्चित रूप से महिलाओं के आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि समाज में महिला शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महिला सशक्तीकरण के बिना एक आदर्श समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं को आरक्षण पर रोक संबंधी उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय के आदेश पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्टे दिया गया है। यह राज्य की महिलाओं के हित में लिया गया बड़ा निर्णय है। मा०उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रदेश की महिलाओं के हित में दिए गए फ़ैसले का हम स्वागत करते हैं।हमारी सरकार प्रदेश की महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। हमने महिला आरक्षण को यथावत बनाए रखने के लिए अध्यादेश लाने की भी पूरी तैयारी कर ली थी। साथ ही हमने उच्चतम न्यायालय में भी समय से अपील करके प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की।मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें नये संकल्पों के साथ नया उत्तराखण्ड बनाना है। यह हम सबके सामुहिक प्रयासों से ही संभव होगा, जब हम सब एक साथ कदम मिलाकर चलेंगे तो हमें सफलता अवश्य मिलेगी। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, विधायक खजान दास, भाजपा युवा मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी सहित अन्य जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

इगास पर मुख्यमंत्री ने सपत्नीक किया गऊ पूजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 नवम्बर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपनी धर्मपत्नी गीता धामी के साथ इगास के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में गौ-पूजन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की । मुख्यमंत्री ने देवउठनी एकादशी के इस पावन अवसर पर तुलसी पूजन भी किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि गाय सनातन संस्कृति के साथ ही समस्त मानव जाति के लिए पूजनीय और आदरणीय है । भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। गाय को सुख, सौभाग्य व समृद्धि प्रदान करने वाली तथा समस्त मनोकामनाएं को पूर्ण करने वाली माना गया है । मुख्यमंत्री धामी ने इगास की बधाई देते हुए लोक पर्व इगास को उत्साह के साथ मनाने का आह्वान किया है। उन्होंने विशेषकर प्रदेश की युवा पीढ़ी का आह्वान किया है कि वे अपनी प्रकृति-प्रेमी एवं पर्यावरण हितैषी परंपराओं व संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन के लिए आगे आएं ।

देहरादून में खत्म होगी पानी की किल्लत जल संस्थान शुरू करेगा अभियान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 4 नवम्बर। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून कहने को स्मार्ट सिटी बनने की ओर अग्रसर है, लेकिन यहां कुछ जगहों पर फैली अव्यवस्थाएं शहर की छवि पर दाग लगाने का काम करती हैं. देहरादून के कई इलाकों में पेयजल की समस्या सामने आती रहती है. इसी के साथ ही कई जगह पाइपलाइन में लीकेज की शिकायतों के मामले भी सामने आए हैं. पेयजल समस्याओं को दूर करने और पाइपलाइनों की मरम्मत के लिए जल संस्थान अब अभियान चलाएगा.

इसके तहत शहर की सभी लीकेज बंद की जाएंगी और क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों को ठीक किया जाएगा. इसके लिए टीमों का गठन कर दिया गया है.बता दें कि पेयजल लाइनों को बिछाने और कई जगहों पर निर्माण कार्यों के दौरान पानी की लाइनें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे संबंधित क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति ठप हो जाती है और जनता को पीने के पानी से वंचित होना पड़ता है. जल संस्थान में आई शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए जल्द ही संस्थान अभियान चलाएगा और क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों की मरम्मत करेगा. साथ ही इस अभियान

के तहत शहर की सभी लीकेज बंद की जाएंगी.जोन वार टीमों का गठनजल संस्थान की मुख्य महाप्रबंधक नीलिमा गर्ग ने बताया कि देहरादून की जिलाधिकारी सोनिका के निर्देश पर अब जल संस्थान राजधानी की क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों की मरम्मत करेगा, जिसके लिए जोन वार टीमें गठित की गई हैं.

उन्होंने बताया कि पहले भी अभियान चलाकर पेयजल लाइनों की लीकेज बंद करने का काम और लाइनों को मरम्मत करने का काम किया जा चुका है. निर्माण कार्य के कारण पेयजल लाइनें क्षतिग्रस्त हुई हैं, तो संबंधित विभागों के साथ पत्राचार कर लाइनें ठीक की जाएंगी. इसके लिए रायपुर जोन, उत्तर, दक्षिण, पित्थुवाला जोन के अधिशासी अभियंताओं को निर्देश दिए गए हैं.

जानिए तुलसी विवाह का महत्व, शुभ मुहूर्त, पूजन विधि

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

तुलसी विवाह हर साल कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है. साल 2022 में तुलसी विवाह की तिथि 05 नवंबर, आज पड़ रही है. हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी विवाह के दिन भगवान विष्णु और तुलसी का विवाह करया जाता है. मान्यता है कि इस दिन विधि पूर्वक तुलसी विवाह संपन्न कराने से जीवन में भगवान विष्णु और मां तुलसी की कृपा प्राप्त होती है. आइए जानते हैं तुलसी विवाह का शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और महत्व के बारे में.

तुलसी विवाह 2022 शुभ मुहूर्त

तुलसी विवाह तिथि- 05 नवंबर, 2022 शनिवारएकादशी तिथि आरंभ- 04 नवंबर को शाम 6 बजकर 08 मिनट पर एकादशी तिथि समाप्त- 05 अक्टूबर को शाम 5 बजकर 06 मिनट पर

तुलसी विवाह पूजा विधि

तुलसी विवाह पूजा विधि के अनुसार, इस पूजन में शामिल होने वाले लोगों को स्नान के बाद साफ-सुथरे कपड़े पहनने चाहिए. हालांकि इस दिन पूजा के दौरान काले वस्त्र ना पहनें. तुलसी विवाह कराने वालों को इस दिन व्रत रखना होता है. ऐस में संभव हो तो इसका पालन करें.इस दिन शुभ मुहूर्त में तुलसी के पौधे को आंगन में पटले पर रखें. आप चाहे तो छत या मंदिर में भी तुलसी विवाह संपन्न करा सकते हैं.तुलसी के गमले की मिट्टी में ही एक गन्ना लगाएं और उस पर लाल चुनरी से मंडप सजाएं.तुलसी के गमले में शालिग्राम पत्थर भी रखें.तुलसी और शालिग्राम की हल्दी करें. इसके लिए दूध में हल्दी भिगोकर लगाएं.गन्ने के मंडप पर भी हल्दी का लेप लगाएं.इसके बाद पूजन करते हुए इस मौसम में आने वाले फल जैसे- आवंला, सेब आदि चढ़ाएं.पूजा की थाली में ढेर सारा कपूर रखकर जलाएं. इससे तुलसी और शालिग्राम की आरती उतारें. आरती करने के बाद तुलसी की 11 बार परिक्रमा करें और प्रसाद बांटे.तुलसी विवाह के बाद नीचे दिए मंत्र से भगवान विष्णु को जगाएं.

भगवान विष्णु को जगाने का मंत्र

उत्तिष्ठ गोविन्द त्यज निद्रां जगत्पतयेत्वयि सुप्ते जगन्नाथ जगत सुप्तं भवेदिदम्उत्थिते चेष्टते सर्वमुत्तिष्ठोत्तिष्ठ माधवगतामेघा वियच्चैव निर्मलं निर्मलादिशःशारदानि च पुष्पाणि गृहाण मम केशव

तुलसी विवाह का महत्व

कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन तुलसी का विवाह कराना बेहद शुभ होता है. धार्मिक मान्यता है कि तुलसी विवाह से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है. साथ भी घर में सकारात्मकता बनी रहती है. इसके साथ ही मान्यता यह भी है कि इस दिन तुलसी विवाह कराने से कन्यादान जितना पुण्य मिलता है. कहा जाता है कि जिस घर में बेटी ना हो तो ऐसे में वे अगर तुलसी विवाह करें तो अच्छा रहता है. इस दिन विष्णु देव के जागने के बाद घर में शुभ और मांगलिक कार्य शुरू हो जाते हैं.

अगर आपका मूड रहता है बहुत ज्यादा खराब तो, अपनाएं ये टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 नवम्बर ,आपका ना तो घर में मन लगता है काम करने में ना तो ऑफिस में. बस मन करता है अकेले बैठे रहने का. और किसी से बात ना करने का. कई लोगों का मूड तो इस हद तक खराब रहता है कि उनको सुसाइड करने का मन करने लगता है. यह सारे लक्षण अवसाद (Depression) के हैं. ऐसे में समझ नहीं आता है क्या करें कि दिमाग स्थिर रहे और खराब ना हो. इसके लिए हम आपको कुछ ऐसे खान पान के बारे में बताने जा रहें जिससे अपने मूड को बूस्ट किया जा सकता है और एक खुशहाल जीवन जिया जा सकता है.मूड ठीक करने का उपायअच्छा खान पान सेहत और मन दोनों को ठीक करने के लिए बहुत जरूरी होता है. इसके लिए आप सैल्मन, अखरोट आदि का सेवन ज्यादा से ज्यादा करें. शराब का सेवन भी मूड को गलत तरीके से प्रभावित करता है. ऐसे में अगर आप एल्कोहलिक हैं तो इससे जितना जल्दी हो छुटकारा पा लीजिए. आप सूखे मेवे, मछली और सब्जी का सेवन ज्यादा करें. मैग्नीशियम सेरोटोनिन के उत्पादन के लिए केला और मछली का डाइट में बढ़ा दीजिए.इसके अलावा आप मूड ठीक करने के लिए मोटिवेशनल कोट और स्पीच सुनें. अध्यात्म का सहारा लें. ये टिप्स भी आपका मूड ठीकर करने में सहायता करेंगी. इनको अगर आप जीवन का हिस्सा बनानएंगे तो आशावादी बने रहेंगे.वहीं, आप चाहें तो अपने अच्छे दोस्तों के साथ हैंगआउट का भी प्लान कर सकते हैं. कोई ट्रिप प्लान करें. जगह बदलने से भी मूड ठीक हो सकता है.खान पान में आप विटामिन, मैग्नीशियम, कैल्शियम और फोलिक एसिड जैसी हेल्दी डाइट को बढ़ा दीजिए. इससे मूड में स्थिरता आती है. यह आपके मूड को स्वाभाविक रूप से प्रभावित करेगी.

100 रुपए का नोट छापने में आता है 17 रुपए का खर्च

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 4 नवंबर , क्या आप जानते हैं कि रूपये यानी करेंसी को छापने में भी काफी बजट खर्च होता है। आरबीआई के अनुसार, भारत में 100 रुपये के नोट को प्रिंट करने में 15-17 रुपये का खर्च आता है. एक करेंसी नोट अधिकतम चार साल तक चलता है. केंद्रीय बैंक को नए नोट छापने होते हैं जिनकी कीमत हजारों करोड़ रुपये होती है.

भारत में डिजिटल करेंसी की शुरुआत हो गई है. इसे सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी यानी कि CBDC का नाम दिया गया है. अभी यह ट्रायल पर चल रहा है और इसमें 9 बैंकों को शामिल किया गया है जिससे लेनदेन होगा. अभी रोजमर्रा के पेमेंट के लिए डिजिटल करेंसी शुरू नहीं की गई है बल्कि सरकारी सिक्योरिटी के ट्रांजैक्शन में इसका प्रयोग हो रहा है. इसके ट्रायल की शुरुआत मंगलवार को की गई. रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की मानें तो यह भारत के करेंसी के इतिहास में ऐतिहासिक पल है और इससे व्यापार का पूरा तरीका बदल जाएगा.

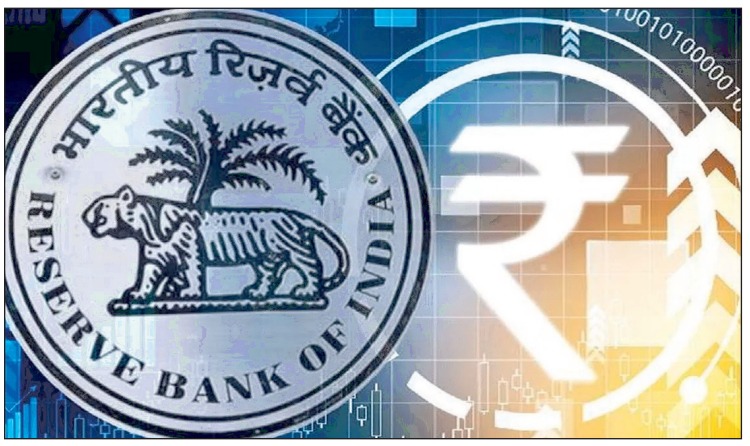

किन-किन देशों में डिजिटल करेंसीदुनिया के लगभग 109 देश या तो डिजिटल करेंसी का प्रोजेक्ट चला रहे हैं या उसे लागू करने पर विचार कर रहे हैं. इन देशों में भारत भी एक है. अक्टूबर 2022 में बहामास सेंट्रल बैंक दुनिया का पहला केंद्रीय बैंक था जिसने सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी की शुरुआत की. इसके अलावा 10 अन्य केंद्रीय बैंकों ने डिजिटल करेंसी की शुरुआत की है.बहामास, नाइजीरिया, एंटीगा, डोमिनिका, ग्रेनाडा, मोंटसेराट, सेंट किट्स, सेंट लूसिया, सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस जैसे कैरेबियाई देश हैं जो डिजिटल करेंसी का उपयोग कर रहे हैं.

डिजिटल करेंसी का फायदा

आरबीआई के अनुसार, भारत में 100 रुपये के नोट को प्रिंट करने में 15-17 रुपये का खर्च आता है. एक करेंसी नोट अधिकतम चार साल तक चलता है. केंद्रीय बैंक को नए नोट छापने होते हैं जिनकी कीमत हजारों करोड़ रुपये होती है. वित्त वर्ष 2021-22 में आरबीआई ने 4.19 लाख अतिरिक्त नोट छापे थे जिनकी कीमत हजारों करोड़ रुपये थी. दूसरी ओर डिजिटल करेंसी की लागत लगभग शून्य हो जाएगी जिससे सरकार का अरबों रुपये बचेगा.

इगास के मौके पर मुख्यमंत्री आवास में जीवन्त हुई लोक संस्कृति

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 4 नवम्बर। इगास पर्व पर मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर प्रदेश भर में सभी संस्थाओं एवं संगठनों के साथ आम जनता द्वारा इस पर्व में अपनी भागीदारी निभायी। इस दौरान प्रदेश में लोक संस्कृति एवं लोक परम्परा के इस पर्व पर उत्साह का माहौल दिखायी दिया। इगास के मौके पर मुख्यमंत्री आवास में भी लोकगीत लोकनृत्य एवं लोक संस्कृति के साथ लोक परम्पराओं के जीवन्तता की झलक देखने को मिली। मुख्यमंत्री स्वयं भेलो पूजन कर, भेलो खेलने के साथ लोक कलाकारों के साथ लोक नृत्य में भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी को इगास की बधाई दी तथा सभी से अपनी लोक संस्कृति एवं लोक परम्पराओं को आगे बढ़ाने में सहयोगी बनने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में संपूर्ण देश में सांस्कृतिक विरासत और गौरव की पुनर्स्थापना हो रही है। उसी तरह उत्तराखंडवासी अपने लोकपर्व इगास को आज बडे उत्साह से मना रहे हैं।प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने लाल किले से आजादी के अमृत काल में पंच प्रण के संकल्पों के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया था। जिनमें से एक संकल्प यह है कि हम अपनी विरासत और संस्कृति पर गर्व करें। इगास पर्व का आयोजन उत्तराखंडी लोक संस्कृति से नयी पीढ़ी के जुड़ाव को और प्रगाढ़ बनाएगा।मुख्यमंत्री ने प्रवासी उत्तराखण्डवासियों से भी अनुरोध किया कि वे भी अपने लोक पर्व को अपने गांव में मनाने का प्रयास करें तथा प्रदेश के विकास में सहभागी बने, सभी के सामुहिक प्रयासों से हम विकल्प रहित संकल्प के साथ उत्तराखण्ड को अग्रणी राज्यों में शामिल करने में सफल होंगे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री गणेश जोशी, प्रेमचन्द अग्रवाल, रेखा आर्या, सुबोध उनियाल, सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री रमेश पोखरियाल निशंक, सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह, नरेश बंसल विधायक उमेश शर्मा काऊ, सविता कपूर, पद्मश्री कल्याण सिंह रावत, महानिदेशक सूचना श्री बंशीधर तिवारी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों के बीच मधुर संबंधों की सुंदर मिसाल है लखनऊ का उत्तराखण्ड भवन

मुख्य व्यवस्था अधिकारी त्रिलोक चंद बफीला की कार्यशैली के कायल है दोनों सरकारों के धुरंधर

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

लखनऊ, 4 नवंबर। जब हम उत्तराखंड प्रदेश से बाहर का रुख़ करते हैं तो इसके लिए उत्तराखंड राज्य सम्पत्ति विभाग के प्रमुख शहरों में अतिथि गृह मौजूद हैं। प्रदेश से बाहर विभिन्न स्थानों पर मौजूद इन गेस्ट हाउस में प्रदेश सरकार के मंत्रियों व अधिकारियों, कर्मचारियों के ठहरने व खाने की सम्पूर्ण व्यवस्था होती है। अन्य शहरों में मौजूद उत्तराखंड राज्य सम्पत्ति विभाग के अतिथि गृहों में अतिथिगणों को हर आवश्यक व्यवस्था समय से सुनिश्चित कराने ज़िम्मेदारी व्यवस्था अधिकारी की होती है।

इन अतिथिगृहों में कार्यरत व्यवस्था अधिकारी हों या फिर उसके अधिनस्थ कार्यरत कर्मचारी अधिकतर सभी मूल रूप से प्रदेश से ताल्लुक़ रखते हैं। प्रदेश के राज्य सम्पत्ति विभाग की ओर से ये लोग कई वर्ष सेवा करते व्यतीत करते हैं। इनमें एक नाम है त्रिलोक सिंह बफ़िला का। त्रिलोक सिंह बफ़िला उत्तराखंड के ज़िला बागेश्वर की कपकोट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम छूरिया के मूल निवासी हैं जो महाराष्ट्र के राज्यपाल और पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी की परंपरागत सीट रही है,जिसका प्रतिनिधित्व अब कोश्यारी जी और मुख्यमंत्री धामी के काफ़ी करीबी युवा विधायक सुरेश सिंह गड़िया कर रहे है । बफ़िला वर्तमान में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ मे स्थित उत्तराखंड राज्य अतिथि गृह में वरिष्ठ व्यवस्था अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। त्रिलोक सिंह बफ़िला वर्ष 2011 से यहाँ उत्तराखंड राज्य अतिथि गृह की हर व्यवस्था को बख़ूबी सम्भाल रहे हैं। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य की राजधानी होने के नाते उत्तराखंड व यूपी के अलावा अन्य राज्यों से आने वाले अतिथियों का भी आवागमन यहाँ बराबर बना रहता है। जिनकी हर व्यवस्था त्रिलोक सिंह बफ़िला के द्वारा की जाती है। इनकी योग्यताओं को देखने के बाद ही इन्हें वरिष्ठ व्यवस्था अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पद का कार्यभार सौंपा गया है।

वर्षों पहले त्रिलोक सिंह बफ़िला ने हाई स्कूल तक की शिक्षा उत्तराखंड के ज़िला अल्मोडा (उस समय उत्तर प्रदेश) से प्राप्त की। इलाहाबाद बोर्ड से इण्टरमिडिएट करने के बाद बी.ए व एम.ए की शिक्षा कानपुर यूनिवर्सिटी से पूरी की। बफ़िला समाजशास्त्र के विद्यार्थी रहे। वर्ष 1995 से 2005 तक बफ़िला उत्तर प्रदेश में समूह ग के पद पर कार्यरत रहे। इसके उपरांत उत्तर प्रदेश राज्य सम्पत्ति विभाग ने डोमोसाइल के आधार पर उत्तराखंड राज्य सम्पत्ति विभाग में इनका हस्तांतरण कर दिया। वर्ष 2005 से 2009 तक ये उत्तराखंड राज्य सम्पत्ति विभाग के उत्तराखंड निवास नई दिल्ली में बतौर व्यवस्थापक के पद पर कार्यरत रहे। वर्ष 2009 से 2011 तक ये राजधानी देहरादून में मौजूद विधायक हास्टल में दो साल व्यवस्थापक के पद पर रहे। पदोन्नति के उपरांत वर्ष 2011 से 2020 तक लखनऊ में मौजूद उत्तराखंड राज्य सम्पत्ति विभाग के उत्तराखंड भवन में व्यवस्था अधिकारी के पद पर रहे। त्रिलोक सिंह बफ़िला की वर्ष 2021 में फिर पदोन्नति हुयी, तब से अभी तक लखनऊ में मौजूद उत्तराखंड राज्य सम्पत्ति विभाग के उत्तराखंड भवन में वरिष्ठ व्यवस्था अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं।

मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी होने के कारण त्रिलोक सिंह बफ़िला का लखनऊ स्थित उत्तराखंड भवन में मौजूद सभी व्यक्तियों के साथ अच्छा तालमेल तो है ही, बल्कि यहाँ आने वाले सभी अतिथिगण इनके व्यवहार व कार्य की सराहना करते हैं। त्रिलोक सिंह बफ़िला बातचीत करते हुए बताते हैं कि उत्तराखंड से उन्हें कितना लगाव है। पहाड़ की आबोहवा हो या लोग, सभी की उन्हें याद आती है। अल्मोडा की बाल मिठाई और काफल की बात करते हुए वो कहते हैं कि जब भी वो उत्तराखंड से लखनऊ लौटते हैं तो यहाँ मित्रों को भी बाँटते हैं। उनसठ वर्ष के त्रिलोक सिंह बफ़िला अपनी सेवा के लगभग तीस वर्ष पूरे कर चुके हैं। उनकी लगभग डेढ़ वर्ष की नौकरी ओर शेष रह गई है। इस पर वो बेहद ख़ुशी ज़ाहिर करते हैं।

देहरादून में दिखी जौनसारी संस्कृति की झलक रहन-सहन से लेकर वेशभूषा भी है अलग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 4 नवम्बर। अपनी अनूठी संस्कृति के लिए मशहूर उत्तराखंड के जनजातीय क्षेत्र जौनसार बावर की लोक संस्कृति और यहां का पहनावा आधुनिक दौर में भी कायम है. राज्य के मैदानी इलाकों में जहां फैशन के इस दौर में पारंपरिक त्योहारों में पहनावा तेजी से बदला है, लेकिन जौनसार बावर ऐसा पहाड़ी क्षेत्र है, जहां पर उनका पहनावा और लोक संस्कृति आज भी कायम है. सभी त्योहारों पर पुरुष और महिलाएं अपने परंपरागत पहनावे में ही दिखाई देते हैं.

हर आयोजन को सामूहिक रूप से मनाकर ये लोग अपनी एकजुटता का प्रदर्शन करते हैं.इस बीच वीर शहीद केसरी चंद की 103वीं जयंती पर उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के पवेलियन ग्राउंड में जौनसार मेले का आयोजन किया गया. मेले में जौनसारी कला के अनोखे रंग देखने को मिले और जौनसारी संस्कृति को करीब से जानने का मौका मिला.

वीर शहीद केसरी चंद युवा समिति के अध्यक्ष ध्वजवीर ने कहा कि उत्तराखंड के जौनसार बावर में कुछ ऐसी अनोखी संस्कृति और परंपराएं हैं, जो इस जनजाति क्षेत्र को अन्य समुदायों से अलग बनाती हैं. उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी को हमारी संस्कृति से जोड़ने के लिए हम मेले और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं. आज जौनसार संस्कृति के लोकनृत्य और लोकगीत देशभर में प्रसिद्ध हैं. वहीं बोली, रीति-रिवाज, संस्कृति, खानपान, रहन-सहन, वेशभूषा ही नहीं बल्कि इस जनजाति के लोगों के जीवनयापन का अंदाज ही अलग है. तीज-त्योहार हो या शादी-विवाह या फिर कोई भी सांस्कृतिक आयोजन, उसमें हमेशा जौनसार संस्कृति की झलक देखने के लिए मिलती है.समिति के महासचिव राहुल चौहान ने कहा कि हमारे क्षेत्र में कोई भी समारोह में आज भी हमारे पुराने रीति-रिवाज नजर आते हैं.

गढ़वाली और कुमाऊंनी संस्कृति की तरह जौनसारी संस्कृति भी उत्तराखंड की पहचान है.महाभारत काल से जुड़ी है जौनसारी संस्कृतिमूल रूप से जौनसार संस्कृति महाभारत काल के पांडवों से निकली जड़ों से जुड़ी हुई है. देहरादून के उत्तर-पश्चिम में चकराता तहसील में जौनसार-बावर के दो प्रमुख क्षेत्रों में जौनसार जनजाति समुदाय के लोग निवास करते हैं. यमुना और टोंस नदी के मध्य स्थित लाखा मंडल, बैराजगढ़ और हनोल जैसे क्षेत्रों में यह जनजाति निवास करती है. जौनसार समुदाय के लोग खुद को पांडवों के वंशज मानते हैं, जिन्हें 'पाशि' कहा जाता है और बावर के लोगों को दुर्योधन का वंशज यानी 'षाठी' कहा जाता है. जौनसार क्षेत्र का लोकनृत्य 'बारदा नाटी' और 'हारूल' है. वहीं, यहां का प्रमुख मेला 'मेघ मेला' है.

सबसे ज्यादा रेवेन्यू दे रहा परिवहन विभाग बन रहा डिजिटल : चंदन राम दास

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 4 नवम्बर। परिवहन मंत्री चंदन राम दास ने ट्रांसपोर्ट भवन, कुल्हन, देहरादून में उत्तराखण्ड परिवहन निगम के कार्यालय के निर्माण हेतु शिलान्यास व परिवहन विभाग द्वारा स्थापित व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग सिस्टम की लांचिंग एवं कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया।इस अवसर मंत्री चंदन राम दास ने कहा कि परिवहन विभाग व परिवहन निगम का मुख्यालय का एक ही स्थान पर होने से प्रदेश वासियों को इसका लाभ होगा, अब एक ही छत के नीचे दोनो कार्यलयों के होने से परिवहन के क्षेत्र में बहुत लाभ होगा।

मंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग द्वारा प्रदेश में नए ड्राइविंग टेस्टटिंग ट्रैक का निर्माण करवा रही है, जिससे प्रदेश में दुर्घटनाओं को रोकने में सहायता मिलेगी।।परिवहन मंत्री बताया कि वीएलटी डिवाइस के प्रदेश में चालू हो जाने से प्रदेशवासियों को इस डिवाइस का लाभ होगा।इस अवसर पर मा0 सांसद टिहरी माला राज लक्ष्मी शाह जी, सचिव परिवहन अरविंद सिंह ह्यांकी, प्रबंध निदेशक रोहित मीणा, संयुक्त आयुक्त(परिवहन)एस.के सिंह, उप आयुक्त सुधांशु गर्ग,आरटीओ देहरादून सुनील शर्मा, जीएम रोडवेज दीपक जैन तथा अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री धामी ने लखपति दीदी को किया सम्मानित

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून , 4 नवम्बर,मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सर्वे ऑफ इण्डिया ग्राउण्ड, हाथीबड़कला में आयोजित "लखपति दीदी मेला" कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम ग्राम्य विकास विभाग द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से एक वर्ष में एक लाख रुपए से अधिक की आय अर्जित करने वाली महिलाओं को "लखपति दीदी" के रूप में सम्मानित किया। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत लाभार्थियों को चेक भी प्रदान किये गये। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को लोकपर्व इगास और बूढ़ी दिवाली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने फैसला लिया है कि वर्ष 2025 में जब हमारा राज्य अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष माना रहा होगा, तब तक हम अपने प्रदेश की सवा लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का कार्य करेंगे। यह प्रयास निश्चित रूप से महिलाओं के आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि समाज में महिला शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

महिला सशक्तीकरण के बिना एक आदर्श समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्हें नेकहा कि राज यसरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के लिए अनेक प्रयास कर रही हैं। महिला स्वयं सहायता समूहों को 05 लाख रूपये तक का ऋण बिना ब्याज के दिया जा रहा है। स्वयं सहायता समूहों को जोड़कर स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमांत गांव माणा में प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने के लिए चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी देशवासियों एवं श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि अपने यात्रा खर्चे का 5 प्रतिशत धनराशि उत्तराखण्ड के स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे हमारे स्थानीय उत्पादों को भी बढ़ावा मिलेगा और मातृ शक्ति की आजीविका में भी तेजी से वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए हमेशा से प्रतिबद्ध रहे हैं।

आत्मनिर्भर भारत में मातृशक्ति का महत्वपूर्ण योगदान होगा। मातृभूमि और मातृशक्ति के सर्वांगीण विकास के प्रति सजगता का अनूठा उदाहरण यदि किसी ने दिया है तो वह आदरणीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिया है। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में महिला उत्थान की भावना को सर्वोपरि रखते हुए उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी विशेष योजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है।

जिसके परिणाम स्वरूप आज महिलाओं के जीवन स्तर में व्यापक सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में डबल इंजन की सरकार द्वारा राज्य में ऐसी अनेक योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है, जिससे हर वर्ग के लोगों को आज स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं।ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण की दिशा में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि मातृ शक्ति सशक्त होगी तो पूरा समाज सशक्त होगा। लखपति दीदी योजना के माध्यम से राज्य की मातृ शक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए हर प्रयास किये जायेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य में अनेक जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का आम जन तक अधिक से अधिक लाभ पहुंचे, इसके लिए हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। ग्राम्य विकास विभाग के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने के लिए अनेक प्रयास किये जा रहे हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री प्रेमचन्द अग्रवाल, भाजपा की प्रदेश मंत्री नीरू देवी, रेशम फेडरेशन के अध्यक्ष अजीत चौधरी, पूर्व दर्जा धारी कैलाश पंत, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, सचिव बी.वी.आर.सी पुरूषोत्तम, मुख्य विकास अधिकारी देहरादून सुश्री झरना कमठान एवं अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

पारम्परिक जौनसार-बाबर की वेशभूषा में मंत्री रेखा आर्या ने मनाई इगास

हमारे परिधान ही हैं हमारी पहचान, इनके संरक्षण और संवर्धन की है जरुरत : रेखा आर्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 4 नवम्बर , आज इगास पर्व के उपलक्ष्य में कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या कालसी स्थित बोहरी गांव में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मलित हुई, जहाँ कार्यक्रम में स्थानीय महिलाओं और जनता ने मंत्री रेखा आर्या का भव्य स्वागत किया।इस अवसर पर सर्वप्रथम कैबिनेट मंत्री ने भगवान परशुराम और माता रेणुका का आशीर्वाद लिया और सभी के सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर स्थानीय लोक कलाकारों ने शानदार लोकगीत गाये,साथ ही इस मौके पर स्थानीय महिलाओं के साथ मंत्री रेखा आर्या ने पारम्परिक लोकनृत्य भी किया।पारम्परिक जौनसार -बाबर की वेशभूषा में पहुंची कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने स्थानीय जनता और कार्यक्रम आयोजको का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यहाँ आकर उन्हें आज जौनसार-बाबर की लोक संस्कृति को करीब से देखने का सौभाग्य मिला।उन्हें यह देखकर बड़ी ख़ुशी हुई कि आज एक और जहाँ हम अपने पारम्परिक वेशभूषा को पीछे छोड़ते जा रहे है तो वहीं जौनसार-बाबर के लोग अभी भी अपनी संस्कृति और अपने जड़ो से जुड़े हुए हैं।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आज हमें अपनी संस्कृति के संवर्धन के साथ उसके संरक्षण की भी नितांत आवश्यकता है ताकि हमारी आने वाली पीढ़ी हमारी संस्कृति और परंपरा को जान सके।इगास पर्व के बारे में जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि दीपावली के ठीक 11 दिन बाद ईगास मनाने की परंपरा है।दरअसल दीपावली का उत्सव इसी दिन पराकाष्ठा को पहुंचता है, इसलिए पर्वों की इस श्रृंखला को ईगास-बग्वाल नाम दिया गया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार श्रीराम के वनवास से अयोध्या लौटने पर लोगों ने कार्तिक कृष्ण अमावस्या को दीये जलाकर उनका स्वागत किया था। लेकिन, गढ़वाल क्षेत्र में राम के लौटने की सूचना दीपावली के ग्यारह दिन बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी को मिली,इसीलिए ग्रामीणों ने खुशी जाहिर करते हुए एकादशी को दीपावली का उत्सव मनाया।इस अवसर पर कैंट विधानसभा से विधायक सविता कपूर जी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रामशरण नौटियाल, मेला समिति अध्यक्ष अमर सिंह जी, पूर्व जिला पंचायत सदस्य गीता चौहान जी, क्षेत्र पंचायत सदस्य कुलदीप चौहान जी,मंडल महामंत्री प्रवीण ,रण सिंह चौहान, गुलाब सिंह जी, जिला सोशल मीडिया प्रभारी वीरेंद्र सिंह सहित स्थानीय जनता उपस्थित रही।

पहाड़ों की रानी मसूरी में सार्वजनिक ईगास पर्व धूमधाम से मनाया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 4 नवम्बर। मसूरी, नगर प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से पहली बार पहाड़ों की रानी मसूरी में सार्वजनिक ईगास पर्व धूमधाम से मनाया गया।

इस मौके पर जिलाधिकारी सोनिका ने बतौर मुख्य अतिथि के रुप में शिरकत कर उपस्थित लोगों के साथ नृत्य करते हुए, जनपद वासियों, पर्यटक एवं सभी लोगों को ईगास बग्वाल की शुभकामनाएँ दी। साथ ही उन्होंने पहाड़ी व्यंजन का लुफ्त उठाया। ईगास पर्व के आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को पुष्पगुच्छ एवं पहाड़ी टोपी पहना कर स्वागत अभिनंदन किया। जिलाधिकारी ने सभी को ईगास पर्व की बधाई दी व कहा कि मसूरी में पहली बार ईगास पर्व का आयोजन किया गया है। जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पहाड़ी व्यंजन, खाने भी परोसा जा रहा है, पर्यटक भी इस पर्व का आनंद ले रहे हैं। पर्यटकों को इस पर्व के बारे में बताया भी जा रहा है। उन्होंने कहा कि पहाड़ के लोक पर्व को जनजन से जोडने एवं युवा पीढी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोडने के लिए इस तरह के आयोजन जरूरी है। वहीं इससे पर्यटन को भी बढावा मिलेगा। आने वाले लोग उत्तराखंड की लोक संस्कृति के बारे में जान सकेंगे तथा पर्व एवं त्योहारों का आनंद उठाएंगे। इस दौरान उपजिलाधिकारी तथा आयोजन समिति के अध्यक्ष मोहन पेटवाल के नेतृत्व में एक एक सांस्कृति यात्रा ईगास पर्व पारंपरिक वाद्ययंत्रों, ढोल दमाउ, रणसिंघा व मसक बाजा के साथ निकाली गई जो शहीद स्थल पर एकत्र हुई। यात्रा में ईगास प्रेमियों ने रास्ते भर लोक नृत्य किया व भैलों खेलते हुए मेले को भव्य रुप दिया। शहीद स्थल पर दोनों सांस्कृतिक यात्राएं एकत्र हुई व वहां पर जमकर पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ भैलों खेला गया व लोकनृत्य आयोजित किए गये जिसका लोगों ने जमकर आनंद लिया। शहीद स्थल पर रस्साकशी का खेल भी आयोजित किया गया। उसके बाद सभी गढवाल टैरेस पर गये जहां पर विधिवत ईगास कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें एसडीएम सहित नगर के विभिन्न सामाजिक व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। पहली बार मसूरी में ईगास पर्व सार्वजनिक रूप से मनाया गया।

जिसमें पहाड़ी लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली। शहीद स्थल पर सांस्कृतिक दलों ने मनमोहक उत्तराखंडी नृत्य प्रस्तुत किए। वहीं रस्साकशी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, अजय भार्गव, पूर्व पालिकाध्यक्ष मनमोहन सिंह मल्ल, ओपी उनियाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहन पेटवाल, कुशाल राणा, अरविंद सेमवाल, नर्मदा नेगी, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

दुनिया में भारतवंशियों का बढ़ता प्रभुत्व

दशकों पहले ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल ने भारतीयों की नेतृत्व और प्रशासनिक क्षमता का उपहास उड़ाते हुए कहा था कि भारतीयों में नेतृत्व क्षमता नहीं होती है. लेकिन भारत की आजादी के 75 वर्ष बाद आज उसी ब्रिटेन के प्रशासन की डोर एक भारतीय मूल के राजनेता के हाथों में है. ऋषि सुनक का ब्रिटेन का प्रधानमंत्री बनना एक ऐतिहासिक घटना है, जिससे सभी भारतीय गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं. सुनक से पहले भी कई भारतवंशी विभिन्न देशों के शासनाध्यक्ष बन चुके हैं, लेकिन भारतीय मूल के व्यक्ति का ब्रिटेन जैसे प्रमुख देश का प्रधानमंत्री बनना बहुत विशिष्ट है. हर बार भारतवंशियों की अंतरराष्ट्रीय पटल पर उल्लेखनीय सफलताएं भारतीयों की प्रतिभा के बढ़ते प्रभुत्व को सुदृढ़ करती हैं. भारतवंशी हर दिशा और विधा में धीरे-धीरे अपना प्रभुत्व बनाते जा रहे हैं. दस विभिन्न देशों में कुल 31 बार भारतीय मूल के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति रहे हैं. कई भारतीय वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण राजनीतिक पदों पर हैं. अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, स्टेट सीनेटर यास्मीन टूडो विश्व प्रसिद्ध नाम हैं. कनाडा जैसे प्रमुख देश में पिछले वर्ष के चुनाव में 17 भारतवंशी चुनाव जीतकर राजनीति में सक्रिय हैं. वर्ष 2008 में छपे इकोनॉमिक टाइम्स के रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के विश्व प्रसिद्ध वैमानिकी और अंतरिक्ष संस्था नासा में 36 प्रतिशत वैज्ञानिक हैं. अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फिजीशियंस ऑफ इंडियन ओरिजिन के 2019 के आंकड़ों के अनुसार अमेरिका के 29.5 प्रतिशत चिकित्सक भारतीय मूल के हैं. यही स्थिति व्यवसाय क्षेत्र में भी है. जहां भारतीय मूल के व्यवसायियों द्वारा स्थापित व्यवसाय अग्रणी हो रहा है, वहीं विश्व की बड़ी कंपनियां भारतीय मूल के पेशेवरों को सर्वोच्च पदों पर नियुक्त कर रही हैं. गल्फ टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार, फॉर्च्यून 500 कंपनियों में से 30 प्रतिशत में भारतीय सीईओ हैं और अमेरिका की सिलिकॉन वैली में नियुक्त इंजीनियरों में एक तिहाई भारत से हैं. ऐसे परिप्रेक्ष्य में भारतवंशियों के व्यवसाय और तकनीक में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते प्रभुत्व की विवेचना आवश्यक हो जाती है. भारतीय मूल के अरबपति व्यवसायियों की फेहरिस्त दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है. भारतीय मूल के विश्व प्रसिद्ध उद्योगपतियों में आर्सेलर-मित्तल के लक्ष्मी मित्तल, जेडस्केलर के जय चौधरी, सन माइक्रोसिस्टम के पूर्व सहसंस्थापक विनोद खोसला, वेदांता रिसोर्सेज के अनिल अग्रवाल, सिम्फनी टेक्नोलॉजी ग्रुप के संस्थापक रोमेश वाधवानी शामिल हैं, साथ ही हजारों अप्रवासी भारतीय विदेशों में सफलतापूर्वक अपने व्यवसाय संचालित कर रहे हैं. जहां भारतीय मूल के अरबपति उद्योगपतियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, वहीं फेहरिस्त में पहले से स्थापित उद्योगपतियों की नेट वर्थ और बाजार मूल्यांकन में तेज वृद्धि हो रही है.

केदारनाथ : शीतकाल में भी होगी धाम की पहरेदारी, 12 पुलिसकर्मी देंगे ड्यूटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गर्भगृह स्वर्णमंडित होने के बाद केदारनाथ धाम की सुरक्षा व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। अब यात्राकाल के साथ ही शीतकाल में भी धाम पुलिस और श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति की निगरानी में रहेगा।धाम में पूरे शीतकाल के लिए एक सब इंस्पेक्टर समेत 12 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं जबकि, पुलिस उपाधीक्षक गुप्तकाशी इस अवधि में फाटा से सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखेंगे साथ ही सीसीटीवी कैमरों से भी धाम की सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी।

करीब 30 किलो सोने से गर्भगृह स्वर्णमंडित

इस बार बीते 27 अक्टूबर को मंदिर के कपाट बंद होने से पूर्व करीब 30 किलो सोने से धाम के गर्भगृह को स्वर्णमंडित कर दिया गया था। इसे देखते हुए मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने शासन से धाम की सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध किया था। इसी कड़ी में सरकार ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव का निर्णय लिया।पूर्व के वर्षों में धाम के कपाट बंद होने के कुछ समय बाद तक ही पुलिस वहां तैनात रहती थी। इसके बाद भारी बर्फबारी होने पर पुलिसकर्मी गौरीकुंड लौट आते थे और यहीं से धाम की सुरक्षा पर नजर रखी जाती थी।लेकिन, अब गर्भगृह स्वर्णमंडित होने के कारण 12 पुलिसकर्मी नियमित रूप से शीतकाल के लिए धाम में तैनात किए गए हैं। रोस्टर के हिसाब से एक महीने बाद अन्य पुलिस कर्मियों को वहां भेजकर इन्हें धाम से वापस बुला लिया जाएगा।समिति

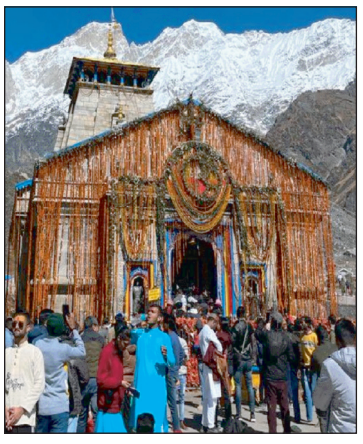

के कर्मचारी भी रोस्टर के हिसाब से धाम में नियमित ड्यूटी देंगेइसके अलावा मंदिर समिति के कर्मचारी भी रोस्टर के हिसाब से धाम में नियमित ड्यूटी देंगे। इसके अलावा अब धाम में शीतकाल के दौरान भी विद्युत आपूर्ति सुचारू रहेगी।साथ ही पेयजल व राशन की व्यवस्था भी मंदिर समिति की ओर से की गई है। पुलिस उपाधीक्षक दीपक रावत ने बताया कि शीतकाल के दौरान धाम में ड्यूटी देना किसी चुनौती से कम नहीं है। बावजूद इसके पुलिस पूरी मुस्तैदी से यह जिम्मेदारी निभाएगी।

धाम में अब तक हो चुकी हैं चोरी की तीन घटनाएं

पुलिस के अनुसार केदारनाथ धाम में वर्ष 1996, वर्ष 2006 व वर्ष 2007 में चोरी की तीन घटनाएं हो चुकी हैं। वर्ष 1996 में मंदिर के ऊपर का कलश गुम हो गया था, जिसका आज तक पता नहीं चला।जबकि, वर्ष 2007 में गुम हुआ कलश बाद में मंदिर से लगभग दो किमी दूर मंदाकिनी नदी के किनारे बरामद हुआ। वहीं, वर्ष 2006 में मंदिर का ताला तोड़कर वहां से चांदी की प्लेट व अन्य सामग्री चोरी हो गई थी। इसका भी आज तक कुछ पता नहीं चला।

पांच वर्ष तक शीतकाल में भी तैनात रही पुलिस

वर्ष 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद वर्ष 2014 से लेकर वर्ष 2018 तक सब इंस्पेक्टर विपिन पाठक के नेतृत्व में पुलिस धाम में तैनात रही। इस दौरान 15 फीट तक बर्फ और माइनस 20 डिग्री तापमान में भी पुलिस कर्मियों ने वहां ड्यूटी दी।दरअसल, वर्ष 2014 के बाद केदारनाथ धाम में पुनर्निर्माण कार्य भी शुरू हो गए थे, जो शीतकाल के दौरान भी जारी रहे। इसी के मद्देनजर शीतकाल के दौरान भी पुलिस वहां तैनात रही। हालांकि, वर्ष 2018 के बाद बीते वर्ष तक अधिक बर्फबारी होने पर पुनर्निर्माण कार्य बंद कर दिए जाते रहे हैं। ऐसे में पुलिसकर्मी भी गौरीकुंड लौट आते थे।

मंदिर के पास ही होगा पुलिस कर्मियों का निवास

मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि शीतकाल के दौरान धाम में तैनात सभी पुलिस कर्मियों और मंदिर समिति के कर्मचारियों के लिए विद्युत, पेयजल, राशन आदि की व्यवस्था कर दी गई है। पुलिस कर्मियों के रहने की व्यवस्था मंदिर के पास ही की जा रही है। धाम में नियमित विद्युत आपूर्ति लिए ऊर्जा निगम के कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है।

डेंगू रोकथाम पर अलर्ट मोड़ में यूएस नगर डीएम युगल किशोर पंत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुद्रपुर 5 नवम्बर जिलाधिकारी युगल किशोर पंत की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में डेंगू के रोकथाम को लेकर आवश्यक बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के सभी नगर आयुक्त, ईओ नगर पालिका को निर्देश दिए कि कही पर भी पानी व कूड़ा जमा न होने दे, निरन्तर सफाई करते रहे। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि फागिंग व कीटनाशक दवाइयों का भी छिड़काव करते रहे ताकि डेंगू मच्छर पनपने न पाए। उन्होंने डीपीआरओ को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी कूड़े को सफाई करते हुए कीटनाशक दवाइयों का छिड़काव करना सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि यदि सार्वजनिक स्थानों पर यदि कोई कूड़ा डालता है तो सम्बन्धित का चलन किया जाए। उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मलिन बस्तियों को चिन्हित कर उन स्थानों पर विशेष ध्यान रखे। उन्होंने कहा कि डेंगू से बचाव हेतु लोगों को जागरूक भी किया जाए। उन्होंने मुख्य शिक्षा अधिकारी

को निर्देश दिए की विद्यालयों में सभी बच्चों को फुल बाजू की शर्ट, जूता, मोजा पहनकर आने हेतु निर्देशित करना सुनिश्चित करे।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, मुख्य नगर आयुक्त काशीपुर विवेक राय, एसीएमओ डा0 हरेंद्र मालिक, पीएमएस डा0 आरके शिन्हा, सहायक नगर आयुक्त राजू नबियाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी आरसी आर्य, डीपीआरओ रमेश चन्द्र त्रिपाठी, डा0 अजयवीर सिंह, डा0 संतोष कुमार सहित सभी ईओ नगर पालिका/ नगर पंचायत व एमओआईसी वर्चुअल के माध्यम से जुड़े थे।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094

वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा

हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव में धामी की धमक, चारों तरफ़ धामी जिंदाबाद

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिमाचल प्रदेश की जुब्बल कोटखाई विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी चेतन बरागटा के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित किया

मो.सलीम सैफी
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हिमाचल प्रदेश, 4 नवंबर।उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज हिमाचल के जुब्बल कोटखाई विधान सभा में रैली को संबोधित किया। उन्होंने उस दौरान कहा कि, ₹जुब्बल कोटखाई विधानसभा की इस विशाल जनसभा में आए आप सभी भाई-बहनों के जोश को देखकर मेरे मन में 1% का भी संशय नहीं है कि इस बार यहां फिर से कमल खिलने वाला है।₹उन्होंने कहा कि, आप सब का उत्साह बता रहा है कि उत्तराखण्ड की तरह ही हिमाचल में भी भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड बहुमत की सरकार आने वाली है।₹

जनसभा में उमड़ा जनसैलाब व देवभूमि की देवतुल्य जनता से मिला अपार स्नेह प्रदेश में पुनः भाजपा की ऐतिहासिक विजय को सुनिश्चित कर रहा है : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, ₹उत्तराखण्ड में भी जनता ने लगातार दूसरी बार भाजपा की सरकार बनाकर मिथक तोड़ने का कार्य किया है, उसी तरह यहां भी भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनेगी।₹उन्होंने कहा कि, ₹हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड के बीच सीमाओं का रेखांकन भले ही हो गया हो लेकिन हमारे दिल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। हिमाचल और उत्तराखण्ड का रोटी-बेटी का रिश्ता है।₹हिमाचल के जुब्बल कोटखाई विधान सभा में रैली को संबोधित करते हुए उत्तराखंड CM पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि, ₹एक तरफ वे लोग हैं जिन्होंने झूठे वादे किए, 55 सालों तक राज किया है लेकिन हमेशा पहचान समाप्त करने का काम किया। एक तरफ वे हैं जिन्होंने मोदी जी के नेतृत्व में देश को आगे बढ़ाने का काम किया।

पुष्कर सिंह धामी ने इस दौरान कहा कि, ₹आज केंद्र में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आगे बढ़ रही है उसी तरह हिमाचल में मुख्यमंत्री श्री जयराम ठाकुर जी के नेतृत्व में प्रदेश आगे बढ़ रहा है।

पहले के समय में अयोध्या में रामलला को टेंट में देखकर मन बहुत दुखी होता था लेकिन आज मोदी जी के नेतृत्व में वहां भव्य राम मंदिर बन रहा है।₹सीएम धामी आराकोट क्षेत्र से लगे हिमाचल प्रदेश की जुब्बल कोटखाई विधानसभा के रोटान, मांडल, ठाणा,जगटान आदि क्षेत्र में विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे। हिमाचल प्रदेश में पुष्कर सिंह धामी ने चुनावी जनसभा से पूर्व श्री हाटकेश्वरी दुर्गा माता मंदिर में माँ भगवती दुर्गा एवं भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों के सुख, शान्ति एवं समृद्धि की कामना की।

महिलाओं को आरक्षण पर रोक संबंधी उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय के आदेश पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्टे दिया गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की स्वीकृति उपरांत महिला आरक्षण को यथावत रखने के लिए राज्य सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी दायर की गई थी। उसी पर सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के आदेश पर स्टे दिया गया है। मा०उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रदेश की महिलाओं के हित में दिए गए फ़ैसले का हम स्वागत करते हैं।हमारी सरकार प्रदेश की महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। हमने महिला आरक्षण को यथावत बनाए रखने के लिए अध्यादेश लाने की भी पूरी तैयारी कर ली थी। साथ ही हमने उच्चतम न्यायालय में भी समय से अपील करके प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की।

महिलाओं के हित में दिए गए SC के फ़ैसले का स्वागत : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 4 नवम्बर। महिलाओं को आरक्षण पर रोक संबंधी उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय के आदेश पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्टे दिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की स्वीकृति उपरांत महिला आरक्षण को यथावत रखने के लिए राज्य सरकार द्वारा सर्वोच्च न्यायालय में एसएलपी दायर की गई थी। उसी पर सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय के आदेश पर स्टे दिया गया है। मा०उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रदेश की महिलाओं के हित में दिए गए फ़ैसले का हम स्वागत करते हैं।हमारी सरकार प्रदेश की महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए कटिबद्ध है। हमने महिला आरक्षण को यथावत बनाए रखने के लिए अध्यादेश लाने की भी पूरी तैयारी कर ली थी। साथ ही हमने उच्चतम न्यायालय में भी समय से अपील करके प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की